।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fortnightly

बात हिन्दुस्तान की

BAAT HINDUSTAN KI

RNI No.: WBHIN/2021/84049

विक्रम संवत 2083 चैत्र शुक्ल पूर्णिमा, 1 -15 अप्रैल 2026 (1-15 APRIL 2026), वर्ष -5 (YEAR - 5), अंक - 23, पृष्ठ - 4, मूल्य - ₹2, (PRICE - 2/-)

गृह मंत्री ने बंगाल में चुनाव से पहले ममता सरकार के खिलाफ जारी की 40 पन्नों की चार्जशीट

सोनू कुमार झा: बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता में ममता बनर्जी सरकार की कथित विफलताओं के खिलाफ राजनीतिक चार्जशीट (आरोप पत्र) जारी की। 40 पन्नों की इस चार्जशीट में शाह ने तृणमूल के 15 साल के शासन को भय, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण का काल बताया। संवाददाता सम्मेलन के दौरान शाह ने इसे जारी करते हुए घुसपैठ व महिला अपराधों से लेकर भ्रष्टाचार, सिंडिकेट और घोटालों के आरोपों की बौछार करते हुए ममता सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि टीएमसी के कुशासन में बंगाल भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बन चुका है। ऊपर से नीचे तक आपराधिक सिंडिकेट जनता को परेशान कर रहे हैं। सोनार बांग्ला का स्वप्न दिखाकर सरकार ने राज्य में सिंडिकेट राज व कट मनी वाली व्यवस्था बना दी है। पूरा बंगाल आज तृणमूल की अराजकता से त्रस्त है। विकास के अभाव में बंगाल उद्योग के लिए एक प्रकार से कब्रिस्तान बन चुका है। ये चुनाव भय से मुक्ति का चुनाव है। बंगाल की जनता को तय करना है कि भय को चुनना है या भरोसे को। भाजपा सरकार बनने पर उन्होंने सुशासन का भरोसा दिया। शाह ने आरोप लगाया कि तृणमूल के शासनकाल में बंगाल देश के लिए घुसपैठ, तुष्टीकरण की राजनीति और सीमा पर असुरक्षा का मुख्य गलियारा बन गया है। बंगाल चुनाव न सिर्फ राज्य के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है। पूरे देश की सुरक्षा बंगाल चुनाव से जुड़ी हुई है।

असम में भाजपा के सत्ता में आने के बाद घुसपैठ के रास्ते बंद हो जाने का दावा करते हुए शाह ने कहा कि अब घुसपैठ के लिए बंगाल ही एकमात्र बचा हुआ रास्ता है। तृणमूल की तुष्टीकरण और वोट-बैंक की राजनीति से जोड़ते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि ममता सरकार ने केंद्र के बार-बार अनुरोध के बावजूद सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन उपलब्ध नहीं कराई। जिसकी वजह से लगभग 600 किलोमीटर सीमा पर अब तक बाड़ नहीं लग पाई है। शाह ने वादा किया कि भाजपा की सरकार बनने के 45 दिनों के भीतर इस पर काम शुरू हो जाएगा।

चार्जशीट टीएमसी सरकार के काले कारनामों का संकलन

शाह ने कहा कि यह चार्जशीट टीएमसी सरकार के 15 वर्षों के काले कारनामों का संकलन है। सोनार बांग्ला का स्वप्न दिखाकर सिंडिकेट राज स्थापित कर बंगाल की जनता का शोषण करने वाले शासन की कहानी है। उन्होंने इसे जनता की चार्जशीट बताते हुए कहा कि यह केवल भाजपा की नहीं, बल्कि बंगाल के त्रस्त लोगों की आवाज है। शाह ने दो टूक कहा कि यह चुनाव सिर्फ सत्ता बदलने के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और घुसपैठ मुक्त बंगाल बनाने के लिए है। पार्टी ने इस दस्तावेज में 14 प्रमुख विषयों (आरोपों) को शामिल किया है, जिनमें कई बिंदु हैं। इसमें संदेशखाली से लेकर आरजी कर कांड तक और शिक्षक भर्ती से लेकर राशन घोटाले तक का सिलसिलेवार ब्योरा दिया गया है। शाह ने कहा कि इसका क्या हल है, इसका जवाब हम संकल्प पत्र (घोषणापत्र) में लेकर आएंगे।

ममता ने हमेशा विक्टिम कार्ड की राजनीति खेली

शाह ने ममता बनर्जी के राजनीतिक तरीकों पर तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने हमेशा विक्टिम कार्ड की राजनीति खेली हैं। कभी उनका पैर टूट जाता है, कभी उनके सिर पर पट्टी बंध जाती है, कभी वह बीमार पड़ जाती हैं, और कभी वह चुनाव आयोग के सामने खड़ी होकर बेबसी का नाटक करती हैं और आयोग को गालियां देती हैं। चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था को गाली देना बंगाल की संस्कृति को शोभा नहीं देता है। बंगाल के लोग अब ममता के सहानुभूति बटोरने की इस राजनीति को अच्छी तरह समझ चुके हैं। यह अब ज्यादा दिनों तक नहीं चलने वाली।

बंगाल में परिवर्तन तय

शाह ने दावा किया कि बंगाल की जनता इस बार परिवर्तन का मन बना चुकी है। ममता सरकार के दिन अब गिने- चुने बचे हैं। प्रचंड बहुमत के साथ बंगाल में भाजपा की सरकार बननी तय है। उन्होंने पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा कि बंगाल में चार मई को चुनाव नतीजे आएंगे और छह मई को यहां भाजपा की सरकार गठित हो जाएगी। तृणमूल पर घुसपैठ, तुष्टीकरण और हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए शाह ने कहा कि राज्य में लोग कई तरह के डर में जी रहे हैं। राज्य के सीमावर्ती जिलों में डेमोग्राफी में बदलाव पर घेरते हुए शाह ने कहा कि लोग अपनी सुरक्षा, रोजगार और संपत्ति को लेकर चिंतित है। हिंदुओं में भय है कि हम अपनी जमीन पर अल्पसंख्यक न बन जाए।

घुसपैठिए नहीं तय करेंगे बंगाल का भविष्य

शाह ने कहा कि क्या घुसपैठिए बंगाल का भविष्य तय करेंगे? उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर एक-एक अवैध घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर निकाला जाएगा। एसआइआर प्रक्रिया का विरोध करने को लेकर शाह ने ममता को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि इस मामले में पूरे देश में एकमात्र बंगाल के लिए सुप्रीम कोर्ट को न्यायिक अधिकारी नियुक्त करना पड़ा, जो राज्य के लिए शर्मनाक है। उन्होंने आरोप लगाया कि घुसपैठियों को बचाने के लिए ममता एसआइआर का विरोध कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में अल्पसंख्यकों के लिए बड़ा बजट है, लेकिन पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की उपेक्षा की जा रही है।

चौथी बार सरकार बनाने के लिए ममता ने ली 10 प्रतिज्ञा

अजय कुमार झा: बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव के लिए घोषणापत्र जारी किया। घोषणापत्र जारी करते हुए ममता ने इस बार 10 प्रतिज्ञा की है। मोदी की गारंटी के

तर्ज पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 10 प्रतिज्ञा जारी की, प्रमुख वादों में ममता ने इस बार राज्य में लगातार चौथी बार तृणमूल की सरकार बनने पर दुआरे राशन व दुआरे सरकार की तर्ज पर अब दुआरे चिकित्सा का वादा किया है। ममता ने कहा कि इस बार हम 'दुआरे चिकित्सा (घर-घर स्वास्थ्य सेवाएं) शुरू करेंगे। इसके तहत हर बूथ व ब्लाक स्तर पर राज्य सरकार द्वारा 'दुआरे चिकित्सा' शिविर लगाए जाएंगे। साथ ही कहा कि आने वाले वर्षों में सभी कच्चे घर पक्के बनेंगे।

इसके अलावा अगले एक-दो वर्षों में सभी घरों में नल से पानी का कनेक्शन पहुंचाने का ममता ने प्रतिज्ञा ली। ममता ने कई हजार माडर्न स्कूल बनाने का भी वादा किया। स्वास्थ्य व शिक्षा पर जोर देते हुए ममता ने कहा कि हजारों स्कूलों को ई-लर्निंग सुविधाओं के साथ माडर्न बनाया जाएगा। शिक्षकों की भी बहाली होगी। उन्होंने भाजपा का नाम लिए बिना कहा कि कई लोग कोर्ट में केस कर देते है, उनकी वजह से शिक्षकों को दिक्कत होती है और हजारों नई भर्तियां रुकी हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले 15 सालों में हमारी सरकार ने राज्य में सात नए जिले बनाए हैं। आने वाले दिनों में हम सात से 10 और नए जिले, कई ब्लाक व अनुमंडल और यहां तक कि कई नई नगर पालिकाएं भी बनाएंगे।

हालांकि इस बार के घोषणापत्र यानि ममता की 10 प्रतिज्ञा में में कोई बड़ी लोकलुभावन घोषणाएं नहीं की है। मुख्यमंत्री ममता ने इसके साथ ही कहा कि महिलाओं के लिए लक्ष्मी भंडार योजना कभी बंद नहीं होगी। लक्ष्मी भंडार' योजना के तहत महिलाओं को हर माह मिलने वाले भत्ते में हमारी सरकार ने पिछले महीने ही 500 रुपये की वृद्धि की है। इस योजना के तहत सामान्य वर्ग की महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये और एससी-एसटी वर्ग की महिलाओं को 1,700 रुपये मिल रहे हैं। जो युवा बेरोजगार हैं उन्हें हर महीने 1,500 रुपये पाकेट मनी के तौर पर मिलेंगे। इसके लिए फरवरी में इस बार के अंतरिम बजट में राज्य सरकार ने युवाश्री योजना की घोषणा की थी।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस दौरान लोगों से अपील की कि बंगाल को बचाने के लिए एकजुट होकर भाजपा के खिलाफ लड़ें। अगर केंद्रीय एजेंसियां आपको डराने की कोशिश कर रही हैं, तो डरें नहीं। अगर वे आपको पैसे देने की कोशिश कर रहे हैं, तो न लें। ममता ने आरोप लगाया कि वे (भाजपा) चुनाव में इस्तेमाल के लिए बार्डर इलाकों से पैसा और हथियार, माफिया ला रहे हैं, यहां अशांति और दंगे कराने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसीलिए भाजपा के इशारे पर चुनाव आयोग ने राज्य के सभी वरिष्ठ आइपीएस व आइएएस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। केंद्र सरकार व भाजपा पर जोरदार हमला बोलते हुए ममता ने कहा कि मैं बांटने वाली राजनीति नहीं करतीं। हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सब एक जैसे हैं। ममता ने यह भी दावा किया कि केंद्र सरकार ज्यादा दिन नहीं टिकेगी और गिर जाएगी।

बाली विधानसभा रणभूमि के योद्धा

कैलाश मिश्रा

बाली विधानसभा केंद्र से तृणमूल कांग्रेस ने तृणमूल कांग्रेस युवा के अध्यक्ष हैं कैलाश मिश्रा को उम्मीदवार घोषित किया। कैलाश ने अपनी राजनीतिक जीवन में कई उतार-चढ़ाव का सामना करते हुए आज इस मुकाम पर पहुंचे हैं कि उन्हें पार्टी की ओर से विधानसभा का टिकट दिया गया। कैलाश मिश्रा का कहना है कि मां माटी मानुष की सरकार ने हमारे ऊपर जो आस्था रखा है मैं उसे पूरा करने में कोई भी चुक नहीं रहने दूंगा। रही विधानसभा चुनाव में जीत और हर की बात लोगों का विश्वास ममता बनर्जी की सरकार के साथ पिछले 15 वर्षों से है और बाली विधानसभा केंद्र के लोगों का भरोसा मुझ पर बना हुआ है। उन्होंने कहा कि इस बार बाली विधानसभा बंगाल में सबसे बेस्ट विधानसभा मॉडल के हिसाब में चिन्हित होगा।

संजय सिंह

बाली विधानसभा केंद्र से बीजेपी के उम्मीदवार संजय सिंह ने कहा कि बाली में पिछले 15 वर्षों से कोई भी काम नहीं हुआ है वहां पर गुंडागर्दी चरम पर है, लोगों को काफी असुविधा हो रही है ना तो पीने के लिए स्वच्छ पानी की व्यवस्था है और ना ही रास्ते हैं जो रास्ते हैं उन्हें खोद कर बनाया जा रहा है ताकि कट मनी सीधे पहुंच जाए। बाली के लोग काफी परेशान हैं तृणमूल के शासन से इसलिए लोग अब छुटकारा चाहते हैं और बीजेपी की सरकार इस बार बनेगी हमारी जीत सुनिश्चित है। जीत के बाद हमारी सरकार की प्राथमिकता रहेगी की लोगों को समुचित सुविधा उपलब्ध कराई जाए। बाली में कानून व्यवस्था ठीक हो गुंडागर्दी का राज खत्म हो लोगों में भय और आतंक का माहौल जो व्याप्त है उसे खत्म करना है स्वच्छ वातावरण में लोगों को रहने की सुविधा मुहैया कराना।

शंकर मैत्रो

बाली विधानसभा के सीपीएम उम्मीदवार शंकर मैत्रो कहा की बाली का विकास जब से तृणमूल कांग्रेस आई है तब से थम सा गया है। अब लोग समझ रहे हैं की सीपीएम को वोट न देकर तृणमूल को लाना उनके लिए कितना फायदेमंद रहा। बाली का संपूर्ण विकास देखने के लिए लोग तरस गए हैं फिर से एक बार सीपीएम के साथ वापस आना चाहते हैं, क्योंकि तृणमूल और भाजपा दोनों ही पार्टियां पर्दे के पीछे सब एक ही है,लोग ये सब पहचान गए हैं। जीत के बाद हमारी प्राथमिकता रहेगी लोगों के मां के अंदर कानून व्यवस्था की प्रति विश्वास बनाना और सुंदर समाज के साथ-साथ बाली को सुसज्जित करना।

उत्तर हावड़ा चुनावी रणभूमि के योद्धा

गौतम चौधरी

गौतम चौधरी वर्तमान विधायक हैं तृणमूल कांग्रेस की ओर से दोबारा उम्मीदवार बनाए जाने पर इलाके में तृणमूल कार्यकर्ताओं के बीच काफी उल्लास का माहौल है लोगों का कहना है कि इस बार जीत तृणमूल कांग्रेस की भारी मतों से होगी। वही इस विषय पर वर्तमान उम्मीदवार गौतम चौधरी का कहना है कि यह हमारी परीक्षा की घड़ी है पिछले 5 वर्षों में मैंने जो काम किया है उसका परीक्षा मुझे देना है और रिजल्ट देना यहां की आम जनता के हाथों में है। पिछले 5 वर्षों में कई तरह के कार्य यहां किए गए हैं जिसमें मुख्य रूप से पेयजल की समस्या को दूर करने के लिए यहां पर पानी का समुचित व्यवस्था किया जा रहा है जो उत्तर हावड़ा के लोगों को काफी राहत देगी।

उमेश राय

भाजपा की ओर से इस बार फिर प्रत्याशी बनाए गए भाजपा के कद्दावर नेता उमेश राय का कहना है कि जब से यहां पर तृणमूल कांग्रेस की सरकार आई है तब से लोग त्रस्त हैं। ना तो पीने के लिए स्वच्छ पानी की व्यवस्था है, इलाके में ना तो निकासी की समुचित व्यवस्था है। बारिश के समय लोगों के घरों में पानी जम जाते हैं, कानून व्यवस्था के नाम पर खिलवाड़ हो रहा है।

अतः हमारी पहली प्राथमिकता होगी इलाके में कानून व्यवस्था को सुनिश्चित करना लोगों के लिए स्वच्छ पीने के पानी की व्यवस्था उत्तम निकासी व्यवस्था के साथ लोगों के हित में जो उचित काम होगा वह करना हमारी योजना में है।

गौतम राय

सीपीएम के उम्मीदवार गौतम राय ने बताया कि उत्तर हावड़ा में वर्तमान जो स्थिति है काफी चिंताजनक है, बारिश के समय यहां के लोग अपने घरों में कैद हो जाते हैं या यू कहे कि घरों के अंदर पानी अपना कब्जा जमा लेता है। उत्तर हावड़ा का जो विकास पिछले 15 वर्षों में होना चाहिए था वह नहीं हुआ है जो भी विकास हुआ है वह वामफ्रंट के समय में किया गया विकास ही दिख रहा है। लोगों की उम्मीद पर खड़ा उतरने के लिए कम ही एकमात्र ऐसा पार्टी है जो उत्तर हावड़ा के लोगों के सुख दुख में एक साथ खड़ा दिखता है। जो वर्तमान तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार हैं उनकी छवि विधानसभा के हर एक लोगों जानते है। बीजेपी और तृणमूल दोनों एक ही समान है।

भैया और भाभी सऊदी अरब में फंसे हैं, हावड़ा में पूरा परिवार परेशान है।

संजय कुमार सिंह, हावड़ा: यूसुफ मिद्दे (62) पेशे से केमिकल इंजीनियर हैं और सऊदी अरब में एक तेल कंपनी में काम करते हैं। वह 2003 से सऊदी अरब के दम्माम में रह रहे हैं। जैसे ही वेस्ट एशिया में युद्ध की आहट मिलती है, ईरान से उस देश में मिसाइलें दागी जा रही हैं। इससे यूसुफ मिद्दे और उनकी पत्नी चांदसुल्ताना मिद्दे डरे हुए हैं। इसी तरह डोमजुर में उनके परिवार के लोग भी बहुत चिंता में अपने दिन बिता रहे हैं। डोमजुर के रहने वाले भाई दाऊद मिद्दे ने बताया कि वह अपने भैया और भाभी से हर दिन फोन पर बात करते हैं। जब से युद्ध शुरू हुआ है, वे हर दिन उनसे बात कर रहे हैं। वे सभी बहुत परेशान हैं। ईरान जिस तरह से मिसाइल हमले कर रहा है, उससे उनकी चिंता और बढ़ गई है। भैया और भाभी ने भी फोन पर कहा कि वे काफी डरे हुए हैं। उनके भाई दाऊद मिद्दे ने बताया कि यूसुफ 2003 से उस देश के रहने वाले हैं। इससे पहले उन्होंने कलकत्ता यूनिवर्सिटी से केमिकल इंजीनियरिंग में बीटेक और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलुरु से एमटेक किया। बाद में उन्होंने अमेरिका की ह्यूस्टन यूनिवर्सिटी से पीएचडी की। 2003 से वे सऊदी अरब में एक तेल कंपनी में एग्जीक्यूटिव

इंजीनियर के तौर पर काम कर रहे हैं। परिवार वालों ने बताया कि यूसुफ और उनकी पत्नी साल में एक बार डोमजुर के घर आते हैं। वे किसी भी पारिवारिक समारोह में शामिल होते हैं। साथ में वे होई हुलोहर में हिस्सा लेते हैं। चांद सुल्ताना मिद्दे ने सऊदी अरब से फोन पर बताया कि वे डरे हुए हैं। एयरपोर्ट बंद होने की वजह से वे अभी घर नहीं लौट पा रहे हैं।

इस बीच, डोमजुर के परिवार ने कहा कि जिस तरह से पश्चिम एशिया के अलग-अलग देशों में युद्ध फैल रहे हैं, उससे वे बहुत चिंतित हैं। वे दुआ कर रहे हैं कि रमजान के महीने में जल्द से जल्द युद्ध खत्म हो जाए। घर का बेटा घर लौट आए।

बिहार दिवस का भव्य आयोजन

गुरुग्राम: पूर्वांचल जन कल्याण संघ, मारुति कुंज (रजि.) द्वारा मारुति कुंज स्थित पूर्वांचल भवन में रविवार को बिहार दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि वार्ड नं. 19 के पार्षद अमित भड़ाना जी एवं वार्ड नं. 20 के पार्षद नारायण भड़ाना ने अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ दीप प्रज्वलित कर की। इस अवसर पर कवि सम्मेलन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न कलाकारों एवं प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। कवि विनय विनम्र ने अपनी कविता से समा बांध दिया, जबकि श्याम मैनपुरिया ने अपनी गायकी से सबका मन मोह लिया।

कार्यक्रम में उपस्थित होकर भाजपा पूर्वांचल प्रकोष्ठ गुरुग्राम के जिला संयोजक राघवेंद्र सिंह, प्रवासी एकता मंच के अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह, अकबर नदाफ, देवानंद यादव, मशहूर उद्योगपति पवन सिंह, भिवाड़ी से हरिमूरत उपाध्याय, भाजपा महिला मोर्चा की गुरुग्राम जिला महासचिव रेखा शर्मा, स्नेह विहार से श्याम किशोर जी, वाटिका कुंज के प्रधान पारस खटाना आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। संस्था के संयोजक राहुल सौरभ ने मंच संचालन किया।

निषाद राज जयंती मनाई गई

रातुल घोष, हावड़ा: निषाद राज जयंती का आयोजन शिवपुर के गंगा घाट पर गंगा समारोह के दौरान किया गया, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में निरगुणानंद महराज व नंदिता चौधरी उपस्थित थीं। यह आयोजन निषाद राज गुह की जयंती के उपलक्ष्य में हर वर्ष मनाया जाता है, निषाद राज भगवान प्रभु श्री राम के परम भक्त थे जिन्होंने वनवास के दौरान गंगा पार कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। निषाद राज गुह की जयंती हर साल चैत्र शुक्ल पंचमी को मनाई जाती है। कार्यक्रम में उपस्थित थे गंगा समग्र के रामाकांत पंडित, राजेश पाण्डेय, राम किशुन, विकास और अन्य सभी सदस्य गण जिन्होंने ने निषाद राज जयंती के आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रामनवमी के अवसर पर निकली भव्य शोभायात्रा

अजय कुमार, हावड़ा: रामनवमी के शुभ अवसर पर विगत कई वर्षों की तरह इस वर्ष भी अंजनी पुत्र सेना की ओर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा हावड़ा के शिवपुर थाना अंतर्गत काजीपाड़ा नरसिंह भगवान मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद

फोटो: रॉबिन दोलुई

प्रारंभ हुई, जो जीटी रोड होते हुए हावड़ा मैदान में संपन्न हुई। इस दौरान इस शोभायात्रा में काफी संख्या में लोग शामिल हुए। वहीं पुलिस प्रशासन की ओर से शोभायात्रा जीटी रोड होते हुए निकालने की अनुमति नहीं मिलने पर आयोजकों ने माननीय न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जिसके बाद उन्हें जीटी रोड होते हुए शोभायात्रा निकालने की अनुमति दी गई कुछ शर्तों के साथ। अंजनी पुत्र सेना के फाउंडर सचिव सुरेंद्र वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि माननीय न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए हम लोगों ने अपने संस्था की ओर से 500 लोगों को आई कार्ड दिया है। लेकिन लोगों के मन में प्रभु श्री राम के प्रति आस्था इतनी ज्यादा है कि लोग घरों बाहर से निकल कर शामिल हो रहे हैं, प्रशासन से मेरा आग्रह है कि उन लोगों को चिन्हित करें। वहीं शोभायात्रा को लेकर हावड़ा सिटी पुलिस की ओर से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। हावड़ा सिटी पुलिस कमिश्नर अखिलेश चतुर्वेदी स्वयं पूरी घटना के ऊपर नजर बनाए हुए थे साथ ही ड्रोन कैमरे और सीसीटीवी से भी नजर रखी जा रही थी। किसी भी घटना से निपटने के लिए सिटी पुलिस के अधिकारी तत्पर दिखे ,हालांकि शांतिपूर्ण तरीके से रामनवमी की शोभा यात्रा संपन्न हुई।

कौस्तभ घोष, हावड़ा: विश्व हिंदू परिषद , रामनवमी शोभायात्रा वाहिनी के सहसंयोजक रितु सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि

फोटो: शंकर सरकार

समिति बजरंगदल , दुर्गा वाहिनी की ओर से हावड़ा के ए जे सी बोस बी, गार्डन थाना अंतर्गत शिवपुरी आई आई ई एसटी के गेट नंबर 1 से भव्य शोभायात्रा निकाली गई जो जीटी रोड के बताईतल्ला बाजार, काजीपाड़ा, शिवपुर, ट्राम डिपो, अलोका, मलिक फाटक होते हुए रामकृष्णापुर गंगा घाट में आरती के साथ संपन्न हुई। शोभायात्रा में प्रभु श्री राम की भव्य झांकियां निकाली गई। राम भक्त ने काफी उत्साह देखने को मिला प्रभु श्री राम के नारे से इलाका गूंज रहा था। पश्चिम बंगाल दुर्गा माननीय न्यायालय के आदेश को पालन करते हुए हम लोगों ने भव्य शोभायात्रा निकाली है राम भक्तों की अपार आस्था है। लेकिन दुख होता है कि पश्चिम बंगाल में प्रभु श्री राम की शोभायात्रा निकालने के लिए बार-बार हम लोगों को अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ता है यह बड़े दुर्भाग्य की बात है। प्रभु श्री राम सबके हैं सब प्रभु श्री राम के हैं फिर इस शोभा यात्रा को निकालने के लिए पुलिस प्रशासन क्यों नहीं अनुमति देता। शोभायात्रा में भव्य प्रभु श्री राम की झांकियां शामिल है।

पीरखाली जंगल में रॉयल बंगाल टाइगर पर्यटकों के कैमरों में कैद

गोसाबा: दक्षिण 24 परगना के गोसाबा क्षेत्र में स्थित सुंदरबन में एक बार फिर पर्यटकों ने सुंदरबन के पीरखाली वन क्रमांक 6 में एक विशाल रॉयल बंगाल टाइगर देखा। ओडिशा और पश्चिम बंगाल

से कुल 16 पर्यटक सोमवार को सुंदरबन की यात्रा पर निकले। वे एमबी प्रियांगशु नामक नाव से जंगल की गहराई में गए। यात्रा का मुख्य आकर्षण सुंदरबन की जैव विविधता को करीब से देखना और प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेना था। लेकिन पीरखाली जंगल के अंदर अचानक एक रॉयल बंगाल टाइगर के प्रकट होने से यह यात्रा और भी रोमांचक हो गई। पर्यटकों का उत्साह चरम पर पहुंच गया। कई लोगों ने पहली बार बाघ देखा, जबकि कुछ ने इसे पहले भी देखा था, लेकिन इसे इतने करीब से देखने का अनुभव बहुत दुर्लभ होता है। कुछ ही क्षणों में, पर्यटकों ने अपने मोबाइल फोन और कैमरे निकाले और दृश्य को कैद करना शुरू कर दिया। उन्होंने सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए इस दुर्लभ क्षण का आनंद लिया। इस संबंध में लॉन्च के मालिक प्रोसेनजीत मंडल ने कहा, हम अक्सर पर्यटकों को सुंदरबन की सैर पर ले जाते हैं। लेकिन ऐसा अनुभव हर बार नहीं मिलता। पीरखाली के जंगल में अचानक बाघ दिखाई दिया। पर्यटक बहुत खुश हुए और उन्होंने उस पल को कैमरे में कैद कर लिया। सुंदरबन दुनिया का सबसे बड़ा मैंग्रोव वन है, जहां कई दुर्लभ प्रजातियों के जानवर रहते हैं। इनमें सबसे दिलचस्प और खतरनाक जानवर रॉयल बंगाल टाइगर है। इस बाघ को देखना जितना रोमांचक है, उतना ही जोखिम भरा भी है। इसलिए, पर्यटकों को वन विभाग के नियमों के अनुसार एक निश्चित दूरी बनाए रखते हुए इस अनुभव का आनंद लेना चाहिए। विशेषज्ञों के अनुसार, सुंदरबन में बाघ देखना आसान नहीं है।

घने जंगलों, नदी घाटियों और कीचड़ से भरे इस क्षेत्र में बाघ आमतौर पर छिपे रहना पसंद करते हैं। इसलिए जब भी पर्यटकों के सामने बाघ दिखाई देता है, तो यह निस्संदेह एक खास घटना बन जाती है।

बंगाल में चुनाव से पहले विदेशी मुद्रा के साथ एक युवक गिरफ्तार

सोनी कुमारी द्वारा हावड़ा: पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले हावड़ा के शालीमार स्टेशन से शालीमार जीआरपी ने विदेशी मुद्रा बरामद की है,जिसका भारतीय मुल्य तकरीबन 45 लाख रुपए है। बताया जा रहा है कि बिहार के पटना से पटना दुरंतो से बिहार निवासी फुलवारी शरीफ के आलोक कुमार शालीमार पहुंचे तभी संदेह होने पर जांच की गई तो ये रुपये बरामद हुए। एस आर पी खरगपुर मिथुन दे ने जानकारी देते हुए कहा की संभवत चुनाव में उपयोग करने के लिए इसे बिहार के पटना से लाया गया है ऐसा माना जा रहा है।इस घटना से जुड़े व्यक्ति को हिरासत में ले पुछताछ की जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार वह कोलकाता की एक कंपनी में काम करता है जो कंपनी विदेशी मुद्रा से जुड़े व्यापार करती है लेकिन किसी भी तरह का कोई साक्षी प्रमाण इससे संबंधित वह नहीं दिखा पाए इतनी नगद विदेशी मुद्रा ले जाने का भी कोई वैध कागज नहीं होने के कारण उन्हें गिरफ्तार किया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मध्य हावड़ा चुनावी रणभूमि के योद्धा

अरूप राय

तृणमूल कांग्रेस की उम्मीदवार अरूप राय ने बताया कि मध्य हावड़ा के लोगों का विश्वास तृणमूल कांग्रेस के साथ ही साथ हमारे ऊपर है जिसे मैं बरकरार रखने में कोई कसर बाकी नहीं रखता हूं। हर समय लोगों के सुख-दुख में खड़ा रहना हमारा पहला कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि कुछ काम बाकी है जिसे पूरा करना है पुरानी निकासी व्यवस्था के कारण शहर में निकासी की समस्या बनी हुई है जिसे आने वाले समय में दुरुस्त किया जाएगा।

विप्लव मंडल

भाजपा के उम्मीदवार विप्लव मंडल का कहना है कि वर्तमान पिछले तीन बार के विधायक ने किसी भी तरह का कोई काम मध्य हावड़ा में नहीं किया है इसे लोग नाराज है यहां के लोगों को समुचित व्यवस्था के नाम पर कुछ भी उपलब्ध नहीं है इसलिए लोग इस बार तृणमूल कांग्रेस से अपना मुंह फेर लेंगे और भाजपा की सरकार चुनेंगे जो आने वाले समय में मध्य हावड़ा के लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कार्य करेगी।

इम्तियाज अहमद

सीपीएम के उम्मीदवार इम्तियाज अहमद का कहना है कि मध्य हावड़ा में वर्तमान विधायक और उम्मीदवार तृणमूल कांग्रेस के जो है उन्होंने कोई काम नहीं किया है बल्कि लोगों को राम भरोसे छोड़ दिया गया जिसका नतीजा है की बारिश के समय लोगों का जीना मुश्किल हो जाता है। लोग परेशान हैं इस सरकार से तंग आ चुके हैं और पुनः फिर से CPIM की सरकार के साथ जाना चाहते हैं। इसलिए जीत इस बार हमारी पक्की है।

दक्षिण हावड़ा चुनावी रणभूमि के योद्धा

नंदिता चौधरी

तृणमूल कांग्रेस ने दक्षिण हावड़ा से एक बार फिर पूर्व विधायक नंदिता चौधरी को उम्मीदवार घोषित किया है। नाम घोषणा के बाद से ही इलाके में घूम-घूम कर तृणमूल उम्मीदवार चुनाव प्रचार करने में व्यस्त दिख रहे हैं। नंदिता चौधरी का कहना है कि दक्षिण हावड़ा में माँ माटी मानुस की सरकार ने जो विकास का कार्य किया है इससे पहले नहीं हुआ था इसलिए इस बार भी लोग ममता बनर्जी की सरकार बनाने के लिए पुनः जीत का ताज हमारे सर पर ही रखेंगे यह मेरा पूर्ण विश्वास है।

श्यामल हाती

भाजपा की ओर से दक्षिण हावड़ा में श्यामल हाती को उम्मीदवार बनाया है नाम घोषणा होने के साथ ही साथ चुनाव के मैदान में भाजपा के उम्मीदवार प्रचार प्रसार में व्यस्त दिखे लोगों के घर-घर जाकर प्रचार करते नजर आए। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों की तृणमूल की सरकार की अत्याचार और 34 साल बम फ्रंट के कुषासन से त्रस्त है इसलिए इस बार भाजपा की सरकार बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देखते हुए हमारी जीत सुनिश्चित है।

बिस्वजीत बनर्जी

सीपीएम की ओर से डॉ विश्वजीत बनर्जी को उम्मीदवार बनाया गया है। वे दक्षिण हावड़ा में हर एक गली मोहल्ले में चुनाव का प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्ष से तृणमूल के द्वारा जिस तरह से दक्षिण हावड़ा को नर्क बना दिया है इसे सुधारने के लिए सीपीएम के अलावा और कोई नहीं कर सकता। तृणमूल, बीजेपी जितनी भी कोशिश कर ले इस बार लोग फिर से सीपीएम का हाथ मजबूत करेंगे।

Classified

I, Rohan Agarwal (Old name) S/o Santosh Agarwal residing at 523 GT Road (S), P.O. & P.S. & District- Howrah 711101 have changed my name and shall henceforth be known as Rohan Agarwal (New name) S/o Santosh Kumar Agarwal as declared before Executive Magistrate First Class Howrah vide Affidavit no. 10344/26 Dt. 23.03.26. Rohan Agarwal (Old name) S/o Santosh Agarwal and Rohan Agarwal (New name) S/o Santosh Kumar Agarwal, both are same and identical person.

I, Chandra Chaudhury (Old name), W/o Saikat Chowdhury, residing at 396/1, Sarat Chatterjee Road, Howrah 711103, have changed my name and shall henceforth be known as Chandra Chowdhury (New name) as declared by the affidavit vide Sl. No. 232/26 dated 27.03.2026 before the Notary Public at Howrah, Chandra Chaudhury (Old name) and Chandra Chowdhury (New name) both are same and one identical person.

बात हिंदुस्तान की अखबार में क्लासिफाइड, कोर्ट नोटिस, नाम परिवर्तन, खोया पाया, वर-वधु इत्यादि का विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें: 9798848926

सीधे खाते में पैसा और चुनावी राजनीति:
क्या 'युवा साथी' बनेगी 2026 की नई मील की ईंट?

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव हमेशा से विकास, विचारधारा और नेतृत्व के मुद्दों पर लड़े जाते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में राजनीति का एक नया आयाम सामने आया है सरकारी योजनाओं के माध्यम से सीधे लोगों के बैंक खातों में पैसा पहुँचना। Direct Benefit Transfer (DBT) की यह व्यवस्था प्रशासनिक पारदर्शिता के लिए जितनी महत्वपूर्ण मानी जाती है, उतनी ही तेजी से यह चुनावी राजनीति का भी एक प्रभावी औजार बनती जा रही है।

आज देश के कई राज्यों में सरकारें अलग-अलग सामाजिक वर्गों को लक्षित करके सीधे आर्थिक सहायता देने वाली योजनाएँ चला रही हैं। मध्य प्रदेश की लाड़ली बहना योजना इसका एक बड़ा उदाहरण है, जिसके तहत महिलाओं को हर महीने आर्थिक सहायता दी जाती है। इसी तरह तेलंगाना में रायतु बंधु योजना के माध्यम से किसानों को सीधे नकद सहायता मिलती है।

राजधानी दिल्ली में भी बिजली-पानी की सब्सिडी और महिलाओं के लिए बसों में मुफ्त यात्रा जैसी सुविधाएँ लंबे समय से राजनीतिक चर्चा का विषय रही हैं। झारखंड में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना और महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना महिलाओं को आर्थिक सहायता देने के मॉडल पर आधारित हैं। इन उदाहरणों से यह साफ होता है कि आज की राजनीति में सीधे आर्थिक लाभ देने वाली योजनाएँ मतदाताओं तक पहुँचने का एक सशक्त माध्यम बन चुकी हैं।

हाल के समय में बिहार का उदाहरण भी इस बहस को और मजबूत करता है। वहाँ चुनावी माहौल बनने से पहले महिलाओं के बैंक खातों में ₹10,000 की राशि भेजी गई। सरकार ने इसे महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और स्वरोजगार को बढ़ावा देने की पहल बताया। इसके साथ ही राज्य में 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली जैसी घोषणाएँ भी सामने आईं। चुनावी समय में ऐसी योजनाएँ मतदाताओं के साथ सीधा संवाद स्थापित करने का माध्यम बन जाती हैं।

अब नजर पश्चिम बंगाल पर है, जहाँ जल्द ही 2026 विधानसभा चुनाव की घोषणा होने वाली है। चुनाव आयोग की ओर से आचार संहिता लागू होने में भले अभी कुछ समय हो, लेकिन उससे पहले राज्य की राजनीति में एक नई योजना चर्चा का केंद्र बन चुकी है—"युवा साथी" योजना। इस योजना के तहत राज्य के 21 से 40 वर्ष तक के बेरोज़गार युवाओं को हर महीने ₹1500 का बेरोजगारी भत्ता दिया जा रहा है। शुरुआत में इसे 1 अप्रैल से लागू करने की बात कही गई थी, लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आचार संहिता लागू होने से पहले ही इसे शुरू कर दिया और धीरे-धीरे युवाओं के बैंक खातों में यह राशि पहुँचना शुरू हो गई।

राजनीतिक दृष्टि से यह कदम महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि युवाओं का वर्ग किसी भी चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाता है। बेरोज़गारी आज देश के सबसे बड़े मुद्दों में से एक है और ऐसे में बेरोज़गार युवाओं को सीधे आर्थिक सहायता देना निश्चित रूप से चुनावी विमर्श को प्रभावित कर सकता है।

दरअसल, पश्चिम बंगाल में सीधे नकद हस्तांतरण की ताकत का अनुभव राज्य सरकार पहले भी कर चुकी है। 2021 के विधानसभा चुनाव को याद करें। उस समय राज्य में सत्ता विरोधी माहौल की चर्चा थी और भारतीय जनता पार्टी ने पूरी ताकत झोंक दी थी। इसके बावजूद तृणमूल कांग्रेस ने पहले से अधिक सीटें जीतकर सरकार बनाई। उस जीत के पीछे कई कारण बताए गए—ममता बनर्जी की व्यक्तिगत छवि, क्षेत्रीय पहचान की राजनीति और संगठन की मजबूती। लेकिन इसके साथ-साथ सरकार की कुछ योजनाओं का प्रभाव भी व्यापक रूप से चर्चा में रहा।

इन योजनाओं में सबसे प्रमुख थी लक्ष्मी भंडार योजना। इसके तहत राज्य की महिलाओं को हर महीने आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में दी जाती है। सामान्य वर्ग की महिलाओं को मासिक सहायता और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग की महिलाओं को अधिक राशि मिलती है। ग्रामीण और निम्न-आय वर्ग की महिलाओं के बीच इस योजना ने आर्थिक सुरक्षा की भावना पैदा की।

इसी तरह कन्याश्री योजना भी सामाजिक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रही है। इसके तहत पढ़ाई कर रही लड़कियों को आर्थिक सहायता दी जाती है और 18 वर्ष की आयु के बाद पढ़ाई जारी रखने पर ₹25,000 की एकमुश्त राशि दी जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में इसका प्रभाव गहरा देखा गया है।

-अजय कुमार झा
राजनीतिक विशेषज्ञ

कविता

विजय इस्सर 'वत्स'

ऋतुराज-वसंत

खुशियां अनंत लाया
वसंत
धरती फूलों सी महक
रही है
श्रृंगारित नववधू,वसन
नव
ताल छंद पर छमक रही
है।

झूम रहे हैं सारे तरुगण
नव मंजर के मदिर गंध
से
नव पल्लव चिकने
बहुरंगी
कलियां खिल के चमक
रही है।

खग मृग कितने हैं
आह्लादित
हर प्राणी कितने आनंदित
कलरव करते हैं पंछीगण
डाल डाल पर चहक रही
है।

स्वगत है ऋतुराज आपका
उपजाए रस प्रेम -भाव
का
प्राण प्रफुल्लित तन-मन
पुलकित
प्रीत की गगरी छलक
रही है।

डॉ शिप्रा मिश्रा

तथागत

पुरुष -
प्रवासी नहीं होते
लेकिन स्त्रियाँ
होती हैं प्रवासी

छोड़ जाती हैं
अपनी मिट्टी
अपने लोग
अपना गाँव- जवार
लहलहाते खेत-
खलिहान
पोखर अमराइयाँ झूले
बचपन की सखियाँ
आँगन में दबाये
गिलट की कुछ
अशर्फियाँ

तुलसी चौरे पर
छोड़ी हुई आस्था,
जनेऊ वाले पत्थर
मौन महादेव
भोर का सूर्योदय,
संध्या का सूर्यास्त

परिवार के लिए
मूक समर्पण
करुणा की मूर्ति

छोड़ जाती हैं -
अपने हिस्से की रोटी
हँसी- खुशी नींद- चैन
सब कुछ त्यागना ही
उनकी नियति है

धीरे- धीरे हो जाती हैं
मोह- माया से परे
निर्विकार स्थितप्रज्ञ
विमुक्त आसक्तिविहीन

लेकिन -
उन्हें तथागत की उपाधि
नहीं मिलती
क्यों नहीं हो पातीं
वे बुद्ध -
क्या इसमें भी है
कोई अनसुलझा रहस्य

बंगाल में अब मृत सरकारी कर्मचारियों की विवाहित बेटियों को भी मिलेगी ग्रेच्युटी

सोनू कुमार झा, कोलकाता: बंगाल सरकार ने मृत सरकारी कर्मचारियों की विवाहित बेटियों को भी ग्रेच्युटी देने का फैसला किया है। वित्त विभाग के पेंशन विभाग की ओर से जारी एक अधिसूचना में इसकी जानकारी दी गई है। अब तक सरकारी नियमों में परिवार की परिभाषा में विवाहित और तलाकशुदा बेटियों को शामिल नहीं किया गया था। परिणामस्वरूप, कई मामलों में इस मुद्दे पर कानूनी पेचीदगियां पैदा हुईं।

जारी सरकारी अधिसूचना में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि राज्यपाल ने संविधान के अनुच्छेद 309 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पश्चिम बंगाल सेवा (मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति लाभ) नियम, 1971 के नियम 7 के कुछ उप-नियमों में संशोधन किया है। इस संशोधन का मुख्य उद्देश्य मृत्यु ग्रेच्युटी के मामले में लाभार्थी के रूप में परिवार की परिभाषा को और अधिक विस्तृत और अद्यतन करना है।

बदली गई परिवार की परिभाषा : अब से परिवार का अर्थ होगा- मृतक पुरुष कर्मचारी की पत्नी, महिला कर्मचारी का पति, पुत्र (सौतेले पुत्रों सहित), अविवाहित, विधवा और तलाकशुदा पुत्रियां, (सौतेली पुत्रियों सहित), 18 वर्ष से कम आयु के भाई, अविवाहित या विधवा बहनें, मृतक कर्मचारी के पिता, मृतक कर्मचारी की माता, विवाहित पुत्रियां। अधिसूचना के अंत में एक अत्यंत महत्वपूर्ण विशेष सूचना दी गई है, जिससे कई परिवारों की लंबे समय से चली आ रही कानूनी उलझनों को सुलझाने में मदद मिलेगी। इसमें बताया गया है कि यदि किसी सरकारी कर्मचारी की मृत्यु इस नए नियम के लागू होने से पहले हो जाती है और उसकी तलाकशुदा या विवाहित बेटियों की ग्रेच्युटी के लिए कोई आवेदन या दावा लंबित है, तो संबंधित प्रशासनिक विभाग इस नई अधिसूचना के आलोक में उन मामलों पर नए सिरे से विचार कर सकेगा और उनका निपटारा कर सकेगा।

दिशानिर्देशों को तुरंत लागू करने का निर्देश

राज्य सचिवालय सूत्रों के अनुसार, राज्य के सभी संबंधित प्रशासनिक विभागों को इन दिशानिर्देशों को तुरंत लागू करने के लिए सूचित कर दिया गया है। राज्य सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए, राज्य सरकारी कर्मचारी संघ ने कहा कि मृत राज्य सरकारी कर्मचारियों की विवाहित और तलाकशुदा बेटियों को राज्य सरकार के इस अनुकंपाकारी निर्णय से लाभ होगा।

राज्यपाल आर एन रवि पहुंचे बेलूर मठ

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर एन रवि अपनी धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी रवि के साथ पहली बार बेलूर मठ पहुंचे, पश्चिम बंगाल का पदभार संभालने के बाद यह उनकी पहली यात्रा थी जहां पहुंचकर उन्होंने मुख्य मंदिर मे प्रवेश कर दर्शन किए। इसके बाद बेलूर मठ के महाराज स्वामी गौतमाआनंद महाराज जी से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिए। बताया जा रहा है कि यह सौजन्य मूलक मुलाकात थी उन्होंने महाराज को अपनी ओर से कुछ भेंट प्रस्तुत किये। इस दौरान बेलूर मठ में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी उपस्थित थे हावड़ा जिला शासक पी दीप्प प्रिया और हावड़ा पुलिस कमिश्नर अखिलेश चतुर्वेदी।

हिंदू नव वर्ष के अवसर पर अंजनी पुत्र सेना की ओर से लिया गया "हर घर भगवा का संकल्प"

हिंदू नव वर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत 2083 के दिन अंजनी पुत्र सेना की ओर से हावड़ा मैदान स्थित ऋषि अरविंद की प्रतिमा के निकट एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहां पर काफी संख्या में हिंदू सनातनी उपस्थित थे अपने हाथों में भगवान ध्वज लिए हुए। जहां कार्यक्रम का शुरुआत भारत माता की पूजा अर्चना के द्वारा शुरु हुई और उपस्थित जनसमूह में प्रसाद वितरण किया गया। इस दौरान अंजलि पुत्र सेवा की ओर से इस वर्ष पूरे हावड़ा को भगवा में बनाने के लिए संकल्प लिया गया।

को फाउंडर सुरेंद्र वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष लक्ष्य है कि हर एक घर तक भगवा झंडा पहुंचाया जाए हिंदुओं में अपनी धर्म के प्रति निष्ठा और मजबूत की जाए इसके लिए सतत प्रयास करेंगे।

हिंदू नव वर्ष के शुभ अवसर पर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल दुर्गा वाहिनी की ओर से प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी नागेश्वर महादेव मंदिर से पूजा अर्चना कर धर्म ध्वज ले शोभा यात्रा निकालते हुए हावड़ा मैदान पहुंचे, जहां धर्म ध्वजा लहराई गई भारत माता के चित्र पर पूजा अर्चना की गई लोगों ने पुष्प अर्पित किये। इस दौरान इस कार्यक्रम में उपस्थित थे रितु सिंह, इंद्रदेव दूबे, क्षेत्रीय संगठन महा मंत्री श्री सोहन जी सोलंकी।

दार्जिलिंग में शुरू हो रहा है 'एडवेंचर टूरिज्म' का नया अध्याय
चांदनी रात, टॉय ट्रेन और जंगल का रोमांच:

बात हिंदुस्तान की, ब्यूरो :पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए दार्जीलिंग हिमालयन रेलवे (डीएचआर) प्राधिकरण तीन नई चार्टर्ड टॉय ट्रेन सेवाएं शुरू करने जा रहा है। खास बात यह है कि टॉय ट्रेन की यात्रा के साथ-साथ देश में पहली बार वन विभाग के साथ संयुक्त रूप से ट्रेकिंग और हाइकिंग की व्यवस्था भी की जाएगी। इसके अलावा पहाड़ के गोरखा जनजाति के पारंपरिक खानपान, लोकनृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा। ब्रिटिश कालीन विरासत को साथ लेकर पूर्णिमा की चांदनी रात में टॉय ट्रेन से पहाड़ों की खूबसूरती निहारने, चाय बागानों की बारीकियों को जानने और प्रकृति व जंगल के अद्भुत संगम का अनुभव कराने के उद्देश्य से ये 3 सेवाएं शुरू की जा रही हैं। यह विशेष सेवा हर पूर्णिमा की रात को उपलब्ध होगी।

एक अन्य विशेष सेवा के रूप में "बाघीरा जंगल ट्रेल" भी शुरू की जा रही है, जिसने चार्टर्ड श्रेणी में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस पहल को (डीएचआर) और के संयुक्त सहयोग से शुरू किया जा रहा है। यह पहली बार है जब किसी टॉय ट्रेन सेवा को वन विभाग के साथ मिलकर संचालित किया जा रहा है। बाघीरा जंगल ट्रेल टुंग से कर्सियांग तक चलेगा। सुबह लगभग 10 बजे पर्यटक डाउहिल में एकत्रित होंगे, जहां से वनकर्मियों के साथ दो घंटे की ट्रेकिंग कराई जाएगी। पर्यटक अपनी पसंद के अनुसार ट्रेकिंग मार्ग चुन सकेंगे—चाहे सामान्य सड़क मार्ग, घने जंगलों के बीच का रास्ता, चढ़ाई या उतराई वाला ट्रेल हो। ट्रेकिंग के दौरान फॉरेस्ट म्यूजियम, हेवन व्यू प्वाइंट और शताब्दी पुराने एक बौद्ध मठ का भी भ्रमण कराया जाएगा। इसके बाद पर्यटक कर्सियांग रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे, जहां से टॉय ट्रेन के जरिए महानदी होते हुए गिद्धापहाड़ ले जाया जाएगा। वहां की स्थिति का दौरा भी कराया जाएगा। अंत में पर्यटकों को वापस कर्सियांग या सुकना तक पहुंचाया जाएगा।

अब आप भी बन सकते हैं रिपोर्टर

अगर आपके पास लिखने की क्षमता है तो उठाएं अपना कलाम और किस्से, कहानी, या ऐसी कोई रोचक जानकारी जो आप दर्शकों के साथ साझा करना चाहते हैं या फिर आप आपने आसपास हो रही घटना के बारे में अगर अच्छी तरह लिखना जानते हैं तो लिखकर व्हाट्सएप पर भेजे हम अपने अखबार में उसे जरूर स्थान देंगे। व्हाट्सएप नंबर **9798848926**

उत्तर प्रदेश के हर गांवों में जाएगी बस..

बात हिंदुस्तान की, ब्यूरो रिपोर्ट, लखनऊ: उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव के इस वर्ष होने या नहीं होने की अटकलों के बीच योगी आदित्यनाथ सरकार ने अहम ऐलान किया है। राज्य सरकार ने 10 मार्च को राजधानी लखनऊ में आहूत कैबिनेट की बैठक में 59,163 गांवों के लिए अहम ऐलान किया। परिवहन विभाग से संबंधित प्रस्ताव पारित करते हुए कैबिनेट ने सभी गांवों में उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बस सेवा पहुंचाने का निर्णय लिया है। इस संदर्भ में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि परिवहन विभाग से जुड़े प्रस्तावों में मुख्यमंत्री ग्रामीण परिवहन योजना 2026 को मंजूरी दी गई है। इसके तहत प्रदेश की सभी 59,163 ग्राम सभाओं में बस सेवा पहुंचाने को सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए छोटी 28 सीटर बसों का संचालन किया जाएगा। सुबह 10 बजे तक ब्लॉक, तहसील होते हुए जिला मुख्यालय पहुंचेंगी बसें। दयाशंकर सिंह ने कि मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना स्वीकृत हुई है। हम यह योजना लाए हैं कि जिसमें हर ग्राम सभा में बस जाए। अभी तक 12 हजार 200 गांवों में बस जा रही है। इसकी विशेषता यह होगी कि इसमें हम टैक्स नहीं लेंगे। इसमें हम प्राइवेट लोगों को चलाने की अनुमति देंगे। इसके लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कमेटी बनेगी जिसमें हमारे आरएम होंगे। अधिकतर बसें सुबह 10 बजे तक ब्लॉक, तहसील होते हुए जिला मुख्यालय पहुंचेंगी। ये 28 सीटर बसें होंगी। गांव में कई ऐसी सड़कें हैं जहां बड़ी बसें चलने में दिक्कत होगी। 10 से 4 बजे तक इनको डाइवर्ट करेंगे। फिर 4 बजे के बाद से यह बसें संबंधित गांवों में जाएंगे। बसें 8 बजे तक आपके गांव तक पहुंच जाएंगी। हमारी कोशिश होंगी कि इन बसों के ड्राइवर और कंडक्टर संबंधित गांवों के हों ताकि लोगों को आने जाने में कोई दिक्कत न हो।

परिवहन मंत्री ने कहा कि इस योजना को सरकार का संरक्षण रहेगा। अभी बहुत सारे लोग जिला मुख्यालय तक आने में परेशानी महसूस करते हैं। कई बार डग्गामार गाड़ियों का सहारा लेना पड़ता था लेकिन अब ऐसा नहीं है। यह बसें यूपीएसआरटीसी से अनुबंधित होंगी।

पिसवाने को खोला गेहूं का कट्टा, निकले 15 लाख के गहने

राजस्थान के पाली जिले के खैरवा गांव से ईमानदारी की एक मिसाल सामने आई है, जिसने गांव ही नहीं बल्कि पूरे इलाके में लोगों का दिल जीत लिया। एक किसान परिवार से अनजाने में गहनों से भरा गेहूं का कट्टा बिक गया, लेकिन खरीदार ने ईमानदारी दिखाते हुए वह कीमती सामान वापस लौटा दिया।

गेहूं के कट्टे में मिले गहने

खैरवा गांव के घांचियों का वास निवासी किसान घीसाराम घांची के खेत पर गेहूं से भरे कई कट्टे रखे हुए थे। करीब 25 दिन पहले गांव के ही मांगू खां उनके पास 100 किलो गेहूं खरीदने के लिए पहुंचा। इस दौरान घीसाराम ने एक कट्टा खाली कर वापस भरा और दे दिया। वहीं दूसरा गेहूं से भरा कट्टा खोले बिना ही मांगू खां को दे दिया। कुछ दिन बाद जब मांगू खां के घर एक कट्टे का गेहूं खत्म हो गया, तो उन्होंने दूसरे कट्टे को खोलकर आटा पिसवाने की तैयारी की। जैसे ही कट्टा खोला गया, उसमें गेहूं के साथ गहने भी मिले। यह देखकर मांगू खां और उनका परिवार हैरान रह गया।

15 लाख रुपए थी गहनों की कीमत

मांगू खां ने तुरंत ईमानदारी का परिचय दिया। उन्होंने अपने बेटे को घीसाराम के पास भेजा और उन्हें घर बुलाने के लिए कहा। बेटे ने जाकर बहाना बनाया कि गेहूं खराब निकले हैं, इसलिए तुरंत घर चलना होगा। पहले तो घीसाराम ने मना किया, लेकिन आग्रह करने पर वह मांगू खां के घर पहुंचे।

वहां पहुंचने पर उन्हें सच्चाई का पता चला। गांव के सरपंच भरत सिंह, भगत सिंह, बिंदू भाई मुसलमान और हनीफ खां सहित अन्य ग्रामीणों की मौजूदगी में मांगू खां ने पूरे गहने वापस सौंप दिए। घीसाराम ने बताया कि कट्टे में उनकी पत्नी का चांदी का कंदौरा, बेटी का कंदौरा, कानों की बालियां, छड़ों की जोड़ी और बच्चों के दामणा सहित करीब 15 लाख रुपए के गहने रखे हुए थे।

उनकी बेटी ने गेहूं के कट्टे में गहने रख दिए थे, लेकिन इस बारे में उन्हें जानकारी नहीं थी। इसलिए उन्होंने गलती से गेहूं के कट्टे बेच दिए। यह मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। हर कोई मांगू खां की तारीफ कर रहा है। आज के समय में जहां छोटी से बात पर विवाद हो जाते हैं, वहीं मांगू खां का यह कदम समाज के लिए प्रेरणादायक बन गया है।

जयपुर के शाहपुरा में बनेगा 25KM लंबा नया बाइपास

जयपुर-सीकर रूट पर सफर करने वालों के लिए अच्छी खबर है। शाहपुरा बाइपास की डीपीआर के लिए केंद्र सरकार ने 1.09 करोड़ रुपए की मंजूरी दे दी है। जयपुर में शाहपुरा में बढ़ते यातायात दबाव और आए दिन लगने वाले जाम से जल्द राहत मिलने की उम्मीद जगी है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 25 किमी लंबे शाहपुरा बाइपास निर्माण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए 1 करोड़ 9 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है। इससे लंबे समय से लंबित बाइपास निर्माण को लेकर क्षेत्र के लोगों में नई उम्मीद जगी है।

ग्लैम स्टूडियो की पहल पर भव्य फैशन इवेंट का आयोजन

रिद्धि भट्टाचार्य, कोलकाता:- टीना के ग्लैम स्टूडियो की पहल पर एक भव्य फैशन इवेंट का आयोजन किया गया, जहाँ नए ड्रेस कलेक्शन का उद्घाटन हुआ। स्टूडियो की संचालिका मिस टीना पात्रा के निर्देशन में इस शो में लगभग 22 मॉडल और 14 मेकअप आर्टिस्टो ने भाग लिया। आधुनिक फैशन के इस युग में इंडस्ट्री की मांग को ध्यान में रखते हुए खास तौर पर करिश्माई वेस्टर्न ड्रेसेज़ और आने वाले शादी के मौसम को केंद्र में रखकर एक्सक्लूसिव ब्राइडल कलेक्शन प्रस्तुत किया गया। लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए इस शूट और भी आकर्षक बनाने मे फोटोग्राफर राज चक्रवर्ती की शानदार फोटोग्राफी भी रही। नए ट्रेंड, स्टाइल और ग्लैमर के मेल से यह इवेंट फैशन प्रेमियों का ध्यान आकर्षित करने में सफल रहा।

इस कार्यक्रम के दौरान उपस्थित मॉडल थीं–नयना बनर्जी, रिया राय, रायमा आचार्य, सौम्यश्री मजूमदार, रिया साहा, रानी सा, निधि चक्रवर्ती, अम्बिका मंडल, संपूर्णा सरदार, अमृता दास, सुप्रिया शर्मा, श्रेया मित्रा, सुष्मिता राय, अतनु कुंडु, रिम्पा नाथ, ऋत्विका संत्रा, वृष्टि बनिक, देबलिना पाल, प्रियंका बाइन और संजना अधिकारी। मेकअप आर्टिस्टों में शामिल थीं- पॉली घोष, बर्णाली साधुखान, शम्पा सामुई, श्रीपर्णा साहा चक्रवर्ती, शिल्पा चौधुरी, अंजलि ठाकुर, श्रद्धा गुप्ता, प्रिया मंडल, तियाशा संकी, सोमा घोष, सैफा खातून, तनु विश्वास, अनीमा खातून और सोमेली सिंह राय।

हावड़ा से शिवपुर थाना अंतर्गत गंगेश गार्डन में गवरजा माता के पूजन अवसर पर गंगेश गार्डन के अध्यक्ष सुभाष सुल्तानिया, संजय टिबरेवाल, अनिल लखोटिया और महेंद्र अग्रवाल सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चैती छठ के अवसर पर हावड़ा के रामकृष्णापुर गंगा घाट में भक्तों की अपार भीड़ देखने को मिली। जहां छठ व्रतियों ने भगवान भास्कर को अर्घ देकर पूजा करते नजर आए। फोटो सचिन

कोलकाता में मिसेज़ एंड मिस इंडिया 2026 का आयोजन

रिद्धि भट्टाचार्य, कोलकाता:- कोलकाता में "मिसेज़ एंड मिस इंडिया 2026"का शिवाना क्रिएशन्स ने आयोजित किया। यह प्रतियोगिता तीन अलग-अलग कैटेगरी में हुआ जिसमें लगभग 40 प्रतियोगीयो ने भाग लिया। इस कार्यक्रम को कमल दास ने डायरेक्ट किया, जिनके कुशल दक्षता में चार चांद लगा दिए । कार्यक्रम में सुंदरता, कॉन्फिडेंस और टैलेंट का एक अनोखा मिक्सअप दिखा। जजों ने हर कैटेगरी का सही मूल्यांकन करके सबसे अच्छे कंटेस्टेंट चुने जिन्होंने अपनी काबिलियत से यह सम्मान हासिल किया। कार्यक्रम के जज माधवीलता मित्रा, फाल्गुनी भट्टाचार्य और शुभमिता पाल थी। मिस कैटेगरी में अन्वेषा खान ने पहला स्थान जीता। श्रीजा गांगुली दूसरे स्थान पर और श्वेता सेन तीसरे स्थान पर रहीं। मिसेज़ कैटेगरी में मौमिता घोष चक्रवर्ती ने पहला स्थान जीता। डॉ. पियासी सिंह रॉय दूसरे स्थान पर और डॉ. अमृता भट्टाचार्य तीसरे स्थान पर रहीं। अरुणिमा पाल घोष और साथी रॉय चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं। मिसेज क्लासिक कैटेगरी में डालिया घोष पहले स्थान पर रहीं। अंतरा रॉय दूसरे स्थान पर, श्रृंगखा साहा तीसरे स्थान पर रहीं। रूमा चक्रवर्ती और सुपर्णा मोदक चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं। पूरा इवेंट बहुत मज़ेदार था और पार्टिसिपेंट्स के लिए अपना टैलेंट दिखाने का एक अनोखा प्लेटफ़ॉर्म था, जिसने ऑडियंस का दिल जीत लिया।

जीजा ने सपने में छेड़ा!

वायुसेना जवान 7 साल बाद बरी

कानपुर की एक विशेष अदालत ने नाबालिग साली से छेड़छाड़ के आरोप में फंसे भारतीय वायुसेना के एक जवान को बरी कर दिया है। अदालत ने यह फैसला कथित पीड़िता के उस बयान के बाद सुनाया, जिसमें उसने कहा कि यह घटना सपने में हुई थी और उसने गलतफहमी में शोर मचा दिया था। हालांकि, इस मामले में आरोपी जवान को करीब 19 दिन जेल में भी बिताने पड़े थे।

बिठूर निवासी एयरफोर्स कर्मी की शादी 10 फरवरी 2019 को बिधनू क्षेत्र की एक युवती से हुई थी। शादी के बाद 13 फरवरी को वह 'चौथी' की रस्म के लिए पत्नी को लेने ससुराल गया था। इसी दौरान उसकी 15 वर्षीय साली भी उनके साथ आ गई। दर्ज रिपोर्ट के अनुसार, 8 मार्च की रात करीब 9 बजे किशोरी अचानक जोर-जोर से चिल्लाने लगी। उसकी आवाज सुनकर बड़ी बहन कमरे में पहुंची। वहां किशोरी ने आरोप लगाया कि उसके जीजा ने उसके साथ छेड़छाड़ की है। इसके बाद बड़ी बहन ने पुलिस को सूचना दी। 2019 में दर्ज हुआ था मामला।

बचाव पक्ष के वकील करीम अहमद सिद्दीकी ने बताया कि 15 वर्षीय लड़की ने आरोप लगाया था कि 8 मार्च 2019 को नौबस्ता खादेपुर में अपनी बहन के ससुराल में सोते समय उसके जीजा अनुराग शुक्ला ने उसके साथ छेड़छाड़ की। लड़की के आरोपों के आधार पर करीब पांच महीने बाद 3 अगस्त 2019 को नौबस्ता थाने में यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो अधिनियम) की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

पॉक्सो कोर्ट में अनुराग के ऊपर मारपीट, बदनाम करने, छेड़छाड़, और पीड़िता पर लैंगिक हमला करने के आरोप तय किए गए थे। उनके ऊपर आरोप लगा कि वे अपने पिता के साथ फरार हो गए।

मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद अनुराग शुक्ला को 29 सितंबर 2019 को गिरफ्तार किया गया। हालांकि, बाद में 17 अक्टूबर 2019 को उन्हें जमानत मिल गई, लेकिन इससे पहले उन्हें करीब 19 दिन जेल में रहना पड़ा।

बिहार के भ्रष्ट पुलिस अफसरों को DGP की चेतावनी, बोले- अब सस्पेंशन नहीं सीधे डिमोशन होगा

बिहार में थानों पर तैनात पुलिस कर्मियों की कार्यशैली को लेकर लगातार शिकायतें सामने आने के बाद अब सख्ती बढ़ाई जा रही है। बिहार पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के एसपी को निर्देश दिया है कि भ्रष्ट और मनमानी करने वाले पुलिस पदाधिकारियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

सिर्फ सस्पेंशन नहीं, अब होगा डिमोशन

अब तक ऐसे मामलों में अधिकतर सस्पेंशन (निलंबन) की कार्रवाई होती थी, लेकिन अब उससे आगे बढ़कर दोषी अधिकारियों का डिमोशन (पदावनति) करने पर जोर दिया जा रहा है। इस कदम का उद्देश्य दोषी कर्मियों को स्थायी सजा देना और पूरे विभाग में सख्त संदेश भेजना है।

जनसुनवाई में बढ़ीं शिकायतें

विनय कुमार के जनता दरबार और पुलिस मुख्यालय की जनसुनवाई में थानास्तर की कई गंभीर शिकायतें सामने आई हैं। इनमें इंस्पेक्टर, दारोगा और अन्य कर्मियों पर मनमानी, रिश्वतखोरी और बालू-शराब माफिया से सांठ-गांठ के आरोप शामिल हैं।

एसपी को विशेष निगरानी के निर्देश

मुख्यालय ने एसपी को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने जिलों में थानों की कार्यप्रणाली पर विशेष नजर रखें। जिन अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच चल रही है, उनके मामलों का जल्द निपटारा करने को भी कहा गया है।

निलंबन के बाद राहत पर उठे सवाल

समीक्षा में यह भी सामने आया है कि कई मामलों में दोषी पुलिस कर्मियों को पहले निलंबित तो कर दिया जाता है, लेकिन बाद में उन्हें राहत मिल जाती है। इतना ही नहीं, निलंबन अवधि का वेतन-भत्ता भी उन्हें मिल जाता है, जिससे कार्रवाई का असर कम हो जाता है।

पुलिस मैनुअल में है डिमोशन का प्रावधान

पूर्व पुलिस एसोसिएशन महासचिव के के झा के अनुसार, पुलिस मैनुअल में डिमोशन का प्रावधान पहले से मौजूद है। गंभीर आरोपों में दोषी पाए जाने पर इंस्पेक्टर को दारोगा, दारोगा को जमादार बनाया जा सकता है। हालांकि, किसी कर्मी को उसके मूल नियुक्ति पद से नीचे नहीं किया जा सकता।

सख्त संदेश देने की तैयारी

डीजीपी ने साफ कहा है कि पुलिस में अनुशासन और आचरण सर्वोपरि है। दोषी पाए जाने वालों पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। इस नई पहल से उम्मीद है कि थानास्तर पर भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी और आम लोगों का भरोसा पुलिस पर मजबूत होगा।

बहुत ही कम खर्चे में अपना विज्ञापन, प्रचार -प्रसार, नाम परिवर्तन, शादी की सालगिरह, जन्मदिन की बधाई देने के लिए संपर्क करें। -9798848926

स्वत्वाधिकारी 'बात हिन्दुस्तान की' (पाक्षिक) पेपर के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी, गार्डेन, शिवपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन नं.: 8902221434 से प्रकाशित एवं एल.एस पब्लिकेशन्स प्रा. लि.4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता -700015 से मुदित, सम्पादक- वैद्यनाथ झा, फोन-9798848926 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के उत्तरदायी, ईमेल/वेबसाईट - www.baathindustanki@gmail.com
(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan ki' Smt. Soni Kumari Jha, 223, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO_R.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 9798848926
& Printed from L.S. publication private limited.4 no, canel west road, Kolkata 700015, Editor: Baidyanath Jha Mo. 9798848926, Email/Website: www.baathindustanki@gmail.com